



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

(असाधारण)

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 102]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अप्रैल 19, 2012/चैत्र 30, 1934

No. 102]

NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 19, 2012/CHAITRA 30, 1934

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 अप्रैल, 2012

न्यू शिपर समीक्षा

विषय : मै. शीनवे कार्पोरेशन लिमिटेड, चीन जन.गण. (निर्यातक) के जरिए मै. फोशान विंगबायो कं. लि. चीन जन.गण. (उत्पादक) द्वारा किए गए अनुरोध के अनुसार, चीन जन.गण. के मूल की या वहां से निर्यातित विट्रीफाइड पोर्सलीन टायल्स के पाटित आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क के प्रयोजनार्थ अलग पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु पाटनरोधी नियमावली के नियम 22 के अंतर्गत न्यू शिपर समीक्षा की शुरुआत।

सं. 15/20/2011-डीजीएडी.—यतः मै. शीनवे कार्पोरेशन लिमिटेड, चीन जन.गण. (निर्यातक) के जरिए मै. फोशान विंगबायो कं. लि. चीन.जन. गण. (उत्पादक) ने समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात अधिनियम कहा गया है) और समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, पाटनरोधी शुल्क का निर्धारण एवं वसूली तथा क्षति निर्धारण) नियम, 1995 (जिसे एतदपश्चात पाटनरोधी नियमावली कहा गया है) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे आगे प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष एक आवेदन दायर किया है जिसमें मूल पाटनरोधी मामले में दिनांक 4 फरवरी, 2003 की अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना सं. 37/1/2001-डी जी ए डी द्वारा और निर्णायक समीक्षा पाटनरोधी मामले में दिनांक 21 अप्रैल, 2008 की अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना सं. 15/17/2006-डी जी ए डी तथा दिनांक 21 मई, 2008 को जारी तत्संबंधी शुद्धिपत्र द्वारा तथा जिसके द्वारा केन्द्र सरकार ने सीमाशुल्क अधिसूचना सं. 73/2003 दिनांक 1 मई, 2003 तथा सं. 82/2008-सी.शु. दिनांक 27 जून, 2008 द्वारा पाटनरोधी शुल्क अधिसूचित किया था, चीन जन.गण. के मूल की अथवा वहां से

निर्यातित विट्रीफाइट पोर्सलीन टायलों के पाटित आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के प्रयोजनार्थ अलग पाटन मार्जिन निर्धारित करने का अनुरोध किया गया है ।

### शामिल निर्यातक

2. वर्तमान जांच मै. शीनवे कार्पोरेशन लिमिटेड, चीन जन.गण. (निर्यातक) के जरिए मै. फोशान क्विंगबायो कं. लि. चीन.जन. गण. (उत्पादक) द्वारा विट्रीफाइट पोर्सलीन टायलों के प्रस्तावित निर्यातों से संबंधित है जो इस अधिनियम तथा पाटनरोधी नियमावली के अनुसार प्राधिकारी के समक्ष दायर उनके आवेदन के अनुसार है ।

### नए निर्यातक के संबंध में समीक्षा की शुरुआत

3. अधिनियम, तथा उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों में प्राधिकारी के लिए जांचाधीन निर्यातक देश में ऐसे किसी निर्यातक या उत्पादक के लिए पाटन के अलग मार्जिन के निर्धारण के प्रयोजनार्थ न्यू शिपर समीक्षा करना अपेक्षित है जिसने संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच के पूर्ववर्ती मामले की जांच अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात नहीं किया है और यह कि आवेदक निर्यातक देश के ऐसे किसी निर्यातक या उत्पादक से संबंधित नहीं हैं जो पाटनरोधी शुल्क के अधीन है ।

4. जैसा कि मै. फोशान क्विंगबायो कं. लि. चीन.जन. गण. (उत्पादक) और मै. शीनवे कार्पोरेशन लिमिटेड, चीन जन.गण. (निर्यातक) द्वारा उनके आवेदन में अनुरोध किया गया है, प्राधिकारी प्रथम दृष्टया इस बात से संतुष्ट हैं कि पाटनरोधी नियमावली के नियम 22 के अंतर्गत निर्धारित शर्तों को पूरा किया गया है और उन्होंने एतद्वारा मूल जांच में 4 फरवरी, 2003 की अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना सं. 37/1/2001-डी जी ए डी द्वारा और निर्णायक समीक्षा पाटनरोधी मामले में दिनांक 21 अप्रैल, 2008 की अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना सं. 15/17/2006-डी जी ए डी तथा दिनांक 21 मई, 2008 को जारी तत्संबंधी शुद्धिपत्र द्वारा प्राधिकारी द्वारा अपनी अनुशंसाओं के अनुपालन में तथा सीमाशुल्क अधिसूचना सं. 73/2003 दिनांक 1 मई, 2003 तथा सं. 82/2008- सी.शु. दिनांक 27 जून, 2008 को ध्यान में रखते हुए चीन जन.गण. के मूल की अथवा वहां से निर्यातित विट्रीफाइट पोर्सलीन टायलों के पाटित आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के प्रयोजनार्थ अलग पाटन मार्जिन निर्धारित करने के लिए न्यू शिपर समीक्षा जांच की शुरुआत करने का निर्णय लिया है ।

5. प्राधिकारी मै. शीनवे कार्पोरेशन लिमिटेड, चीन जन.गण. (निर्यातक) के जरिए मै. फोशान क्विंगबायो कं. लि. चीन.जन. गण. (उत्पादक) द्वारा किए गए संबद्ध वस्तु के सभी निर्यातों का पाटनरोधी नियमावली के नियम 22 के अनुसार और सीमाशुल्क अधिसूचना सं. 73/2003 दिनांक 1 मई, 2003 तथा सं. 82/2008- सी.शु. दिनांक 27 जून, 2008 को ध्यान में रखते हुए इस समीक्षा के समाप्त होने तक अनंतिम आकलन करने की सिफारिश करते हैं ।

### जांच अवधि

6. वर्तमान समीक्षा के प्रयोजनार्थ जांच अवधि 1 जनवरी, 2012 से 30 जून, 2012 तक की है ।

### सूचना प्रस्तुत करना

7. ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को अलग से सूचित किया जा रहा है ताकि वे निर्धारित प्रपत्र में और ढंग से संगत सूचना प्रस्तुत कर सकें और अपने विचारों से निर्दिष्ट प्राधिकारी, पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, वाणिज्य विभाग, भारत सरकार, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011 को अवगत करा सकें कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी निम्नलिखित समय सीमा के भीतर निर्धारित प्रपत्र में और ढंग से इस जांच से संगत अपने अनुरोध उपर्युक्त प्राधिकारी को प्रस्तुत कर सकता है ।

### समय-सीमा

8. इस समीक्षा से संबंधित समस्त सूचना लिखित में भेजी जानी चाहिए जिसे प्राधिकारी के पास जांच अवधि पूर्ण होने की तारीख से चालीस दिनों से पूर्व उपर्युक्त पते पर पहुंच जानी चाहिए । यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है अथवा प्राप्त हुई सूचना अधूरी है तो प्राधिकारी उपर्युक्त नियमावली के अनुसार अपने समक्ष उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं ।

### गोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करना

9. यदि प्रश्नावली के उत्तर/अनुरोध के किसी भाग के गोपनीय होने का दावा किया जाता है तो उसे (क) गोपनीय (शीर्षक, विषय सूची, पृष्ठों की संख्या आदि सहित) के रूप में चिन्हित और (ख) अगोपनीय (शीर्षक, विषय सूची, पृष्ठों की संख्या आदि सहित) के रूप में चिन्हित रूप में दो अलग-अलग सैटों में प्रस्तुत करना अनिवार्य है । प्रस्तुत की गई समस्त सूचना के प्रत्येक पृष्ठ के ऊपर स्पष्ट रूप से या तो "गोपनीय" या फिर "अगोपनीय" अनिवार्यतः अंकित किया जाना चाहिए ।

10. किसी चिन्ह के बिना प्राप्त सूचना को अगोपनीय माना जाएगा और प्राधिकारी के पास ऐसे किसी अगोपनीय सूचना का निरीक्षण करने की अन्य हितबद्ध पक्षकारों को अनुमति देने की स्वतंत्रता होगी । गोपनीय अंश और अगोपनीय अंश की दो-दो प्रतियां प्रस्तुत करना अनिवार्य है ।

11. गोपनीय रूप में दावा की गई सूचना के लिए ; सूचना देने वाले को प्रस्तुत सूचना के साथ ऐसे स्पष्ट कारणों को दर्शाने वाली सूचना प्रस्तुत करना अपेक्षित है कि ऐसी सूचना को क्यों प्रकट नहीं किया जा सकता और/या ऐसी सूचना का संक्षेपण क्यों संभव नहीं है ।

12. अगोपनीय अंश गोपनीय अंश की नकल होना चाहिए तथा सूचना की गोपनीयता के दावे के आधार पर गोपनीय सूचना को अधिमानतः सूचीबद्ध या रिक्त छोड़ना या संक्षिप्त बनाया जाना चाहिए । अगोपनीय सारांश पर्याप्त रूप से विस्तृत होना चाहिए ताकि गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना की तर्कसंगत समझ विकसित हो सके । तथापि, आपवादिक परिस्थितियों में गोपनीय सूचना प्रस्तुत करने वाला पक्षकार यह दर्शा सकता है कि ऐसी सूचना

का सारांश करना संभव नहीं है, सारांश संभव नहीं होने के कारणों संबंधी एक विवरण निर्दिष्ट प्राधिकारी की संतुष्टि के लिए अवश्य प्रस्तुत किया जाना चाहिए ।

13. प्राधिकारी प्रस्तुत सूचना की प्रकृति की जांच के आधार पर गोपनीयता के अनुरोध को स्वीकार या अस्वीकार कर सकती है यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट हैं कि गोपनीयता का अनुरोध आवश्यक नहीं है या सूचना प्रस्तुत करने वाला उस सूचना को सार्वजनिक करने की इच्छा नहीं रखता है या उससे सामान्य या सारांश रूप में प्रकट करने को प्राधिकृत नहीं करना चाहता है तो वे ऐसी सूचना को नजरअंदाज कर सकते हैं ।

14. तत्संबंधी सार्थक अगोपनीय अंश के बिना या सही कारण के विवरण के बिना प्रस्तुत किसी अनुरोध की गोपनीयता के दावे को प्राधिकारी द्वारा रिकॉर्ड नहीं किया जा सकता है । निर्दिष्ट प्राधिकारी संतुष्ट होने पर और प्रदत्त सूचना की गोपनीयता को स्वीकार करने पर; ऐसी सूचना प्रदान करने वाले पक्षकार की स्पष्ट अनुमति के बिना किसी पक्षकार को उसका प्रकटन नहीं करेंगे ।

### सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण

15. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(7) के अनुसार कोई हितबद्ध पक्षकार उस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है जिसमें अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय रूपांतरण रखा गया है ।

16. यदि कोई हितबद्ध पक्षकार उचित अवधि के भीतर आवश्यक सूचना जुटाने से मना करता है अथवा उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराता है अथवा जांच में अत्यधिक बाधा डालता है तो प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं और केन्द्र सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं ।

विजयलक्ष्मी जोशी, निर्दिष्ट प्राधिकारी

## MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

### INITIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 19th April, 2012

#### New Shipper Review

**Subject :—**Initiation of New Shipper Review under Rule 22 of the Anti-Dumping Rules for determination of individual dumping margin for the purposes of imposition of the anti-dumping duties on dumped imports of Vitrified Porcelain Tiles originating in or exported from China PR by M/s. Fosban Qiangbiao Co. Ltd., China PR (Producer) through M/s. Sheenway Corporation Ltd., China PR (Exporter).

**No.15/20/2011-DGAD:** M/s Fosban Qiangbiao Co. Ltd, China PR (Producer) through M/s Sheenway Corporation Ltd., China PR (Exporter) have filed an application in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 (hereinafter referred to as the Act) as amended from time to time and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 as amended from time to time (hereinafter referred to as the AD Rules) before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) requesting for determination of individual dumping margin for the purposes of imposition of the anti dumping duties levied on dumped imports of Vitrified Porcelain Tiles originating in or exported from China PR vide Final findings Notification No. 37/1/2001-DGAD

dated 4th February, 2003 in the original anti-dumping case and Final findings Notification No. 15/17/2006 -DGAD dated 21<sup>st</sup> April 2008 in the SSR anti-dumping case and the Corrigendum issued thereof dated 21<sup>st</sup> May, 2008 and whereby the Central Government notified the anti-dumping duty vide Notifications No. Notifications Customs No. 73/2003- Customs dated 01st May, 2003 and No. 82/2008-Customs dated 27<sup>th</sup> June, 2008.

#### **EXPORTER INVOLVED:**

2. The present investigation relates to proposed exports of Vitrified Porcelain Tiles by M/s Foshan Qiangbiao Co. Ltd, China PR (Producer) through M/s Sheenway Corporation Ltd., China PR (Exporter) in terms of their application filed before the Authority in terms of the Act and the AD Rules.

#### **INITIATION OF REVIEW IN RESPECT OF NEW EXPORTER:**

3. The Act and the AD Rules made thereunder require the Authority to undertake a New Shipper Review for the purpose of determining individual margin of dumping for any exporter or producer in the exporting country in question who has not exported the subject goods to India during the period of investigation of the earlier case of anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods from the subject country and that the applicants is / are not related to any of the exporters and producers in the exporting country who are subjected to the anti-dumping duty.

4. As requested by M/s Foshan Qiangbiao Co. Ltd, China PR (Producer) and M/s Sheenway Corporation Ltd., China PR (Exporter) in terms of their application; the Authority, having been prima facie satisfied with the conditions as prescribed under Rule 22 of AD Rules, hereby decides to initiate a New Shipper Review investigation for determination of individual dumping margin for the purposes of imposition of the anti dumping duties levied on dumped imports of Vitrified Porcelain Tiles originating in or exported from China PR in pursuance of the recommendations made by the Authority vide Final findings Notification No. 37/1/2001-DGAD dated 4th February, 2003 in the original anti-dumping case and Final findings Notification No. 15/17/2006 -DGAD dated 21<sup>st</sup> April 2008 in the SSR anti-dumping case and the Corrigendum issued thereof dated 21<sup>st</sup> May, 2008 and having regard to Notifications No. 73/2003-Customs dated 01-05-2003 and No. 82/2008- Customs dated 27th June, 2008.

5. The Authority recommends provisional assessment on all exports of the subject goods made by M/s Foshan Qiangbiao Co. Ltd, China PR (Producer) through M/s Sheenway Corporation Ltd., China PR (Exporter) till this review is completed, in accordance with the Rule 22 of the AD Rules and having regard to Notifications No. 73/2003-Customs dated 01-05-2003 and No. 82/2008-Customs dated 27th June, 2008.

#### **PERIOD OF INVESTIGATION:**

6. The period of investigation for the purpose of the present review is 1<sup>st</sup> January, 2012 to 30<sup>th</sup> June 2012.

#### **SUBMISSION OF INFORMATION:**

7. The Known interested parties are being informed separately to enable them to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the

13864/12-2

Designated Authority, Directorate General of Anti Dumping & Allied Duties, Department of Commerce, Ministry of Commerce and Industry, Government of India, Udyog Bhawan, New Delhi-110011. Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation to the above Authority in the prescribed form and manner within the time limit set out below.

**TIME LIMIT:**

8. All information relating to this review should be sent in writing so as to reach the Authority at the above address not later than forty days from the date of completion of the 'Period of investigation'. If no information is received within the prescribed time limit or the information received is incomplete, the Authority may record its findings on the basis of the facts available before the Authority in accordance with the AD Rules.

**SUBMISSION OF INFORMATION ON CONFIDENTIAL BASIS.**

9. In case confidentiality is claimed on any part of the questionnaire's response/submissions, the same must be submitted in two separate sets (a) marked as Confidential (with title, index, number of pages, etc. ) and (b) other set marked as Non-Confidential (with title, index, number of pages, etc.). All the information supplied must be clearly marked as either "confidential" or "non-confidential" at the top of each page.
10. Information supplied without any mark shall be treated as non-confidential and the Authority shall be at liberty to allow the other interested parties to inspect any such non-confidential information. Two (2) copies each of the confidential version and the non-confidential version must be submitted.
11. For information claimed as confidential; the supplier of the information is required to provide a good cause statement along with the supplied information as to why such information cannot be disclosed and/or why summarization of such information is not possible.
12. The non-confidential version is required to be a replica of the confidential version with the confidential information preferably indexed or blanked out / summarized depending upon the information on which confidentiality is claimed. The non-confidential summary must be in sufficient detail to permit a reasonable understanding of the substance of the information furnished on confidential basis. However, in exceptional circumstances, party submitting the confidential information may indicate that such information is not susceptible of summary, a statement of reasons why summarization is not possible, must be provided to the satisfaction of the Designated Authority.
13. The Authority may accept or reject the request for confidentiality on examination of the nature of the information submitted. If the Designated Authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorize its disclosure in generalized or summary form, it may disregard such information.
14. Any submission made without a meaningful non-confidential version thereof or without a good cause statement on the confidentiality claim may not be taken on record by the Designated Authority. The Designated Authority on being satisfied and accepting the need for confidentiality of the information provided; shall not disclose it to any party without specific authorization of the party providing such information.

**INSPECTION OF PUBLIC FILE:**

15. In terms of Rule 6(7) of Anti-Dumping Rules, any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by other interested parties.

16. In case where as interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and such recommendations to the Central Government as deemed fit.

VIJAYLAXMI JOSHI, Designated Authority